फायरिंग के आरोपी रवि मेहरा के अवैध निर्माण पर चला बुलडोजर

गंगापोल में पिछले दिनों फायरिंग की वारदात के बाद प्रशासन ने दिखाई सख्ती

जयपुर (कासं)। सुभाष चौक इलाके के गंगापोल में पिछले दिनों हुई फायरिंग की सनसनीखेज वारदात के बाद प्रशासन ने सख्त रुख अपनाते हुए अपराधियों के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति के तहत बड़ी कार्रवाई की है।

फायरिंग के मुख्य आरोपी और कुख्यात हिस्ट्रीशीटर रवि मेहरा (25) के अवैध निर्माण को शुक्रवार को नगर निगम की टीम ने भारी पुलिस जाब्ते के बीच बुलडोजर से ध्वस्त कर दिया। यह कार्रवाई हवामहल-आमेर जोन के नगर निगम दस्ते द्वारा की गई। निगम प्रशासन ने बताया कि आरोपी ने मेहरा बस्ती स्थित अपने मकान के आगे सड़क सीमा में करीब सात फीट तक अतिक्रमण कर अवैध निर्माण कर रखा था। पूर्व में नोटिस जारी कर निर्माण हटाने के निर्देश दिए गए थे। परंतु पालन नहीं होने पर राजस्थान नगरपालिका अधिनियम, 2009 के तहत यह कार्रवाई की गई।

पुलिस उपायुक्त जयपुर (उत्तर) करण शर्मा ने बताया कि रवि मेहरा सुभाष चौक थाने का हिस्ट्रीशीटर है और हत्या के प्रयास के मामले में फरार चल रहा है। 19 जनवरी की सुबह गंगापोल इलाके में रवि मेहरा अपने एक साथी के साथ बाइक पर आया था। उसने पड़ोसी युवक पर फायरिंग की थी। गोली युवक के चचेरे भाई को निशाना बनाकर चलाई गई थी। लेकिन निशाना चूकने पर गोली बबलू महावर (30) के पैर में लग गई। इसके बाद से आरोपी फरार है। आरोपित रवि मेहरा के खिलाफ पहले से ही कई गंभीर आपराधिक मामले दर्ज हैं। उस पर ब्रह्मपुरी थाने में 15 और सुभाष चौक थाने में 11 मुकदमे दर्ज हैं। फायरिंग की घटना के बाद से पुलिस टीमें उसकी गिरफ्तारी के लिए लगातार दबिश दे रही हैं।

नगर निगम की हवामहल-आमेर जोन की टीम ने शुक्रवार को हिस्ट्रीशीटर रवि मेहरा के अवैध निर्माण को ध्वस्त किया।

■ नगर निगम ने पूर्व में दिया था अवैध निर्माण हटाने का नोटिस, शुक्रवार को कार्रवाई की

पुलिस उपायुक्त जयपुर (उत्तर) ने बताया कि शुक्रवार दोपहर करीब 12:30 बजे नगर निगम की टीम बुलडोजर और मशीनों के साथ गंगापोल पहुंची। किसी भी तरह की अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए मौके पर भारी पुलिस बल तैनात रहा। पुलिस की मौजूदगी में अवैध निर्माण को पूरी तरह ध्वस्त कर दिया गया।

प्रशासनिक अधिकारियों ने साफ कहा कि शहर की कानून-व्यवस्था बिगाड़ने वालों और अपराध को संरक्षण देने वाले अवैध निर्माणों पर ऐसी कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी। इस कार्रवाई के बाद इलाके के बदमाशों में खौफ का माहौल है।

एम-पास और ई-जनसुनवाई से आमजन को राहत

जयपुर (कासं)। मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा और यूडीएच मंत्री झाबर सिंह खर्रा की सुशासन की संकल्पना को मूर्त रूप देते हुए जयपुर विकास प्राधिकरण ने "एम-पास और ई-जनसुनवाई" जैसी डिजिटल सुविधा शुरू की। इसका सीधा फायदा भी अब आमजन को मिल रहा है। बताया जा रहा है कि "एम-पास" से जेडीए में आमजन का प्रवेश सुगम हुआ है। अब तक 23 हजार 700 लोगों ने इसका फायदा लिया है। इसी प्रकार ई-जनसुनवाई में भी प्रतिदिन 500 से ज्यादा लोग अधिकारियों से डिजिटल माध्यम से रूबरू होकर अपनी समस्याएं बता रहे है।

जेडीए आयुक्त सिद्धार्थ महाजन का कहना है कि जेडीए द्वारा शुरू की गई दो नवीन सेवाओं "एम-पास और ई-जनसुनवाई" ने न केवल प्राधिकरण में प्रवेश की प्रक्रिया को सरल बना दिया है, बल्कि नागरिकों की शिकायतों के घर बैठे निवारण का मार्ग भी प्रशस्त किया है। ई-पास सेवा से कतारों से मुक्ति और समय की बचत हुई है। जेडीए ने आगंतुकों की सुविधा के लिए ऑनलाइन विजिटिंग पास (एम-पास) की सुविधा प्रारम्भ की है। इस नई व्यवस्था के तहत अब आगंतुक बिना कतार में लगे, अपने घर या कार्यालय से ही पास बनवा सकते है। इसके साथ्ज्ञ ही जो नागरिक ऑनलाइन पास बनाने में असमर्थ हैं, उनके लिए नागरिक सेवा केंद्र और पार्किंग बिल्डिंग में स्थित जन सुनवाई पंजीकरण केंद्र पर ऑफलाइन पास की सुविधा भी सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक उपलब्ध है।

बच्चों में जन्मजात हृदय रोग के प्रबंधन पर हितधारकों की बैठक

प्रदेश में चाइल्ड हर्ट डिजीज रजिस्ट्री तथा टू-डी ईको सेवाओं का विस्तार किया जाएगा

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । प्रदेश में बच्चों में जन्मजात हृदय रोगों का प्रभावी प्रबंधन सुनिश्चित किया जाएगा। इसके लिए चाइल्ड हर्ट डिजीज रजिस्ट्री स्थापित करने, रीजनल सीएचडी हब विकसित करने एवं टू-डी ईको सेवाओं का विस्तार करने सहित तकनीकी सुविधाओं को और सुदृढ करने के कदम उठाए जाएंगे। बच्चों में जन्मजात हृदय रोगों की पहचान, प्रबंधन, उपचार एवं नियमित फोलोअप विषय पर शुक्रवार को स्वास्थ्य भवन में हितधारकों के साथ वीडियो कॉफ्रेंसिंग के माध्यम से आयोजित बैठक में इस संबंध में चर्चा की गयी।

मिशन निदेशक एनएचएम डॉ. अमित यादव ने बताया कि केन्द्र सरकार के राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के साथ ही राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं के माध्यम से नवजात एवं बच्चों में हृदय रोग सहित अन्य रोगों के उपचार के प्रबंधन को लगातार मजबूत किया गया है। वर्ष 2024-25 में 468 जन्मजात हृदय रोगों से ग्रस्त बच्चों को दवाईयों से ईलाज किया गया एवं 355 बच्चों की सर्जरी कर उपचार किया गया। इसी प्रकार 2025-26 में दिसम्बर तक 262 बच्चों को दवाईयों एवं 304 को सर्जरी सेवाएं प्रदान की गयी। इससे बड़ी संख्या में जटिल रोगों से ग्रस्त बच्चों की जीवन बचाना संभव हुआ है। उन्होंने बताया कि हाल ही जेके लोन अस्पताल में आरबीएसके के माध्यम से 20 करोड़ की लागत से सीवीटीएस सर्जरी ईकाई प्रारम्भ की गयी है। जिसमें हृदय रोगों के उपचार के लिए अत्याधुनिक उपचार सुविधाएं उपलब्ध हैं। प्रदेश के अन्य अस्पतालों में भी ऐसी सुविधाएं विकसित करने के प्रयास किए जा रहे हैं।

अतिरिक्त मिशन निदेशक एनएचएम डॉ. टी. शुभमंगला ने कहा कि बच्चों में हर्ट संबंधी जन्मजात विकृति की शीघ्र पहचान एवं रेफरल-उपचार सेवाओं की सुदढ़ीकरण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाए जा रहे हैं। उन्होंने बड़े शहरों से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों तक बच्चों को जन्मजात हृदय रोगों से बचाने और समय पर उपचार के लिए सभी हितधारकों के साथ मिलकर समन्वित प्रयास किए जाने की आवश्यकता पर बल दिया।

स्वास्थ्य भवन में शुक्रवार को हितधारकों के साथ वीडियो कॉफ्रेंसिंग के माध्यम से अधिकारियों ने चर्चा की।

बैठक में बच्चों में हृदय रोग की शीघ्र पहचान एवं उपचार के लिए कार्यरत संस्था चिल्ड्रन हर्ट लिंक के भारत एवं यूएसए के प्रतिनिधियों ने केरल सहित दुनिया के विभिन्न देशों में चाइल्ड हर्ट डिजीज स्क्रीनिंग एवं रेफरल मॉडल के बारे में आवश्यक जानकारी प्रदान की। संस्था की प्रतिनिधि बिस्त्रा झेलेवा ने विभिन्न देशों के अनुभव साझा किए। उन्होंने राजस्थान में बच्चों में जन्मजात हृदय रोगों की देखभाल के लिए पॉपुलेशन आधारित एप्रोच के साथ काम करने की आवश्यकता पर बल दिया। साथ ही इस संबंध में विजन 2040 के बारे में भी बताया।

संस्था की इंडिया में प्रतिनिधि वीरालक्ष्मी राजशेखर ने संस्था के द्वारा किए जा रहे कार्यों के बारे में बताया। साथ ही डॉ. किशन कुमार एवं डॉ श्रीहारी माधवकुट्टी नायर ने केरल में शिशु स्वास्थ्य के परिदृश्य एवं चिल्ड्रन हर्ट लिंक के साथ अपनाए गए मॉडल के बारे में विस्तार से बताया।

परियोजना निदेशक बाल स्वास्थ्य एव आरबीएसके डॉ. प्रदीप चौधरी ने राजस्थान में बच्चों में जन्मजात हृदय रोग के वर्तमान परिदृश्य एवं राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत इनकी शीघ्र पहचान, रेफरल और उपचार के लिए किए जा रहे कार्यों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। बैठक में निदेशक आरसीएच डॉ. मधु रतेश्वर, यूनिसेफ, निपी सहित विभिन्न डवलमेंट पार्टनर्स के प्रतिनिगण उपस्थित रहे। सभी जोन के संयुक्त निदेशक, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, जिला प्रजनन एवं शिशु स्वास्थ्य अधिकारी मौजूद थे।

'पडौसी की ब्लैकमेलिंग से तंग आकर महिला ने की खुदकुशी'

जयपुर (कासं)। सांगानेर इलाके में एक महिला ने पडौसी की ब्लैकमेलिंग से परेशान होकर रस्सी के फंदे से लटकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। काफी देर तक जब महिला अपने कमरे से बाहर नहीं निकली तो परिजनों ने दरवाजा खटखटाया। लेकिन अंदर से कोई जवाब नहीं मिलने पर धक्का देकर गेट खोला तो महिला रस्सी के फंदे से झूलती मिली। सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को नीचे उतार अपने कब्जे में लिया और शव को पोस्टमार्टम के लिए महात्मा गांधी अस्पताल के मुर्दाघर में भिजवाया। पुलिस ने परिजनों के बयानों के आधार पर पडौसी युवक के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने का मामला दर्ज कर जांच शुरु की।

एएसआई नरेश कुमार ने बताया की सांगानेर की रहने वाली सुमन चौधरी (37) तरुछाया नगर निवासी ने वर्षीय पड़ोसी की ब्लेकमेलिंग से परेशान होकर रस्सी के फंदे से लटकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली।

बताया जा रहा है कि 15 जनवरी को परिवार के सदस्य बाहर गए थे। पीछे से दोपहर करीब 12 बजे महिला ने अपने कमरे में प्लास्टिक की रस्सी का फंदा बनाया और उससे लटककर आत्महत्या कर ली। कुछ देर बाद परिजन घर पहुंचे तो दरवाजा बंद मिला। काफी प्रयास करने के बाद परिजनों ने धक्का देकर दरवाजा खोला। तो महिला लटकी हुई मिली।

■ मृतका के परिजनों के बयान के आधार पर पुलिस मामले की जांच में जुटी

परिजनों की सूचनरा पर मौके पर पहुंची पुलिस ने एफएसएल टीम की मदद से सबूत जुटाकर शव को फंदे से उतारा। मौके पर तलाशी के दौरान पुलिस को मृतका के पास से कोई सुसाइड नोट बरामद नहीं हुआ। वही इस मामले में 22 जनवरी को परिजनों ने पड़ोसी युवक पर आत्महत्या के लिए उकसाने का आरोप लगाते हुए मामला दर्ज कराया है। आरोप है कि पड़ोसी युवक महिला को ब्लैकमेल कर रहा था तो आरोपी ने करीब 5 लाख से ज्यादा कैश और सोने के गहने भी हड़प लिए।

आचार्य प्रज्ञासागर की मौजूदगी में गौशाला के लिए भूमि पूजन

जयपुर (कासं)। जैन मुनि आचार्य प्रज्ञा सागर महाराज का सहसंग मंगल आगमन शुक्रवार को निवान कृषि फ़ार्म, श्री जयदेवपुरा चाकसू में अत्यंत श्रद्धा, भक्ति व उल्लासपूर्ण के वातावरण में सम्पन्न हुआ। आचार्यश्री के आगमन पर श्रद्धालुओं ने जयघोष के साथ उनका भव्य स्वागत किया।

कार्यक्रम के दौरान आचार्यश्री की प्रेरणा एवं सान्निध्य में नए गौशाला निर्माण के लिए भूमिपूजन का भी शुभारंभ किया गया। यह भूमिपूजन ग्राम निमोडिया में धन कुमार एवं पुनीत कुमार पांड्या परिवार दुर्गापुरा निवासी द्वारा श्रद्धा एवं भक्ति भाव से कराया गया। इस अवसर पर आचार्यश्री के चतुर्थ आचार्य पदारोहण दिवस के उपलक्ष्य में कलशाभिषेक एवं शांति धारा जैसे धार्मिक अनुष्ठानों का भी आयोजन किया गया।

आचार्य श्री ने अपने प्रवचनों में गौ सेवा, अहिंसा, करुणा और धार्मिक मूल्यों के संरक्षण पर विशेष बल देते हुए समाज को सेवा एवं सदाचार के मार्ग पर चलने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि गौ-सेवा मानव जीवन को पुण्य और शांति प्रदान करने का श्रेष्ठ माध्यम है। पूरे कार्यक्रम के दौरान वातावरण भक्तिमय बना रहा और समाजजनों में अपार उत्साह देखने को मिला। आयोजन को सफल बनाने में स्थानीय जैन समाज एवं श्रद्धालुओं का सराहनीय योगदान रहा।

जैन मुनि आचार्य प्रज्ञा सागर महाराज का सहसंग मंगल आगमन शुक्रवार को निवान कृषि फ़ार्म, श्री जयदेवपुरा चाकसू में हुआ।

हनुमान चालीसा व 151 दीपों से आरती

जयपुर । टीम 39 जहां चाह वहां राह जन कल्याण ट्रस्ट द्वारा श्री रामलला प्राण प्रतिष्ठा की द्वितीय वर्षगांठ के उपलक्ष्य में 20 दुकान, नेहरू नगर, गली नंबर 2, पानीपेच पर श्री रामलला की आरती कार्यक्रम का आयोजन किया गया । टीम 39 प्रधान ट्रस्टी विष्णु बियानी व मीडिया प्रभारी मनीष केडिया ने बताया कि कार्यक्रम में रामलला का अदभुत दरबार सजाया गया। सर्वप्रथम श्री हनुमान चालीसा का पाठ हुआ एवं उसके पश्चात 151 दीपों से भगवान की आरती की गई। एवं प्रसाद वितरण किया गया। कार्यक्रम में राम प्रकाश शर्मा, मुकेश अग्रवाल, तारा चंद गोयल, सुनील अग्रवाल,राम शरण दुसाद, ललित अग्रवाल, होती, रहीस भाई, घनश्याम शर्मा मौजूद थे।

सार-समाचार

पीडीकेएफ आर्टिजंस कलेक्टिव का आगाज

जयपुर । "प्रिंसेस दिया कुमारी फाउंडेशन की महिला कारीगर हमारी सबसे बड़ी प्रेरणा हैं। जब महिलाओं को सही मंच, सहयोग और साधन उपलब्ध कराएं जाएं, तभी उनके जीवन और समाज में बदलाव लाया जा सकता है। इस आयोजन के माध्यम से हमारा उद्देश्य दृष्टिकोण में परिवर्तन लाना है, जिसमें महिला कारीगरों को केवल निर्माता की भूमिका तक सीमित न रखते हुए, उन्हें एक उद्यमी और मार्केटर के रूप में स्थापित करना है।" यह बात प्रिंसेस दिया कुमारी फ़ाउंडेशन की जनरल सेक्रेटरी, जयपुर की प्रिंसेस गौरवी कुमारी ने सिटी पैलेस में पीडीकेएफ आर्टिजंस कलेक्टिव के दूसरे संस्करण के उद्घाटन सत्र में संबोधन के दौरान कही। यह आयोजन 25 जनवरी 2026 तक जयपुर के प्रतिष्ठित सिटी पैलेस में आयोजित होगा। उन्होंने कहा कि तीन दिनों तक चलने वाले इस कलेक्टिव में देश के 20 से अधिक राज्यों से 70 से अधिक महिला कारीगर भाग ले रही हैं, जिनकी 40 से अधिक शिल्प विधाओं का प्रदर्शन किया जा रहा है। आगंतुक लाइव डेमोंस्ट्रेशन, कार्यशालाओं, सांस्कृतिक प्रस्तुतियों और नाइट बाज़ार के माध्यम से भारत की शिल्प परंपराओं का करीब से अनुभव कर सकेंगे।

बच्चों के साथ मनाई बसन्त पंचमी

जयपुर । कला मंज़र सोसाइटी ने अपने हैंड्स टुगेदर अभियान के अंतर्गत, रोटरी क्लब जयपुर बापू नगर और नन्हे कदम सोसाइटी के सहयोग से समावेशी बसंत उत्सव -2026 का सफलतापूर्वक आयोजन किया। इस कार्यक्रम में विशेष बच्चों एवं सामान्य बच्चों ने एक साथ सहभागिता की। इस उत्सव का उद्देश्य दिव्यांगता के प्रति समावेशी दृष्टिकोण को बढ़ावा देना तथा समाज में स्वीकृति की भावना को प्रोत्साहित करना था। दीप प्रज्वलन व सरस्वती पूजन के साथ उत्सव का शुभारंभ हुआ और बच्चों ने सरस्वती वंदना व गणेश वंदना पर नृत्य प्रस्तुत कर बसन्त ऋतु का स्वागत किया। उत्सव में मुख्य अतिथि अशोक परनामी, अति विशिष्ट अतिथि शताब्दी अवस्थी (अंतरराष्ट्रीय पैरा एथलीट स्टेट आइकन, राजस्थान राज्य निर्वाचन आयोग) विशेष अतिथि अजय गर्ग (वरिष्ठ मिनिएचर कलाकार) एवं प्रतिमा पटनायक (वरिष्ठ चित्रकार, नृत्यांगना) ने शामिल होकर उत्सव की शोभा बढ़ाई। रोटरी क्लब जयपुर बापू नगर की अध्यक्ष मीता माथुर और कला मंज़र संस्था की संस्थापिका मीनाक्षी माथुर ने बताया कि उत्सव में कुल 14 संस्थाओं, विद्यालयों व यूनिवर्सिटी ने भाग लिया।

बच्चों को शैक्षिणक सामग्री वितरित

जयपुर । समाज सेवा एवं मानवीय मूल्यों को सुदृढ़ करने की दिशा में एक प्रेरणादायक पहल करते हुए अक्षत भार्गव एवं शौर्य भार्गव के हितार्थ सामाजिक सरोकार के कार्य किए गए। रतन भार्गव द्वारा जरूरतमंद बच्चों को स्कूल बैग वितरित किए गए, जिससे बच्चों को शिक्षा के प्रति प्रोत्साहन मिला। वहीं रविन्द्र नाथ भार्गव एवं साधना भार्गव के साथ डॉ. श्वेता भार्गव ने बच्चों को भोजन परोसकर पठनीय सामग्री वितरित की। कार्यक्रम आयोजन में डॉ. ओपी टांक, माया बड़ौदरा, गजानंद खींची, अरूण गागोलिया का सराहनीय योगदान रहा। कार्यक्रम के दौरान बच्चों के चेहरों पर प्रसन्नता और उत्साह स्पष्ट रूप से दिखाई दिया। उपस्थित जनसमूह ने इस सराहनीय पहल की प्रशंसा करते हुए इसे समाज के लिए प्रेरणास्त्रोत बताया। कार्यक्रम का समापन बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की कामना एवं निरंतर सामाजिक सेवा के संकल्प के साथ किया गया।

जयपुर में स्पा संचालकों के लिए नई शर्तें लागू

जयपुर । गुलाबी नगरी में बढ़ते स्पा और मसाज सेंटरों की आड़ में चल रही अवैध गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए जयपुर पुलिस आयुक्तालय ने सख्त कदम उठाया है। अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (कानून एवं व्यवस्था) योगेश दाधीच ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 की धारा 163 के तहत नए आदेश जारी किए हैं । यह आदेश 26 जनवरी 2026 से प्रभावी होकर 26 मार्च 2026 तक लागू रहेंगे ।

पारदर्शिता के लिए बंद दरवाजों पर रोक

नए नियमों के मुताबिक, अब स्पा सेंटर में सेवाएं बंद दरवाजों के पीछे नहीं दी जा सकेंगी। कक्षों के दरवाजों में कुंडी या बोल्ट लगाना वर्जित होगा और केवल स्वतः खुलने या बंद होने वाले दरवाजों का ही प्रावधान रखना होगा। इसके साथ ही, महिला और पुरुष स्पा सेंटरों के लिए अलग-अलग खण्ड और अलग प्रवेश द्वार होना अनिवार्य कर दिया गया है।

बिना वैरिफिकेशन नहीं होगा चयन

स्पा संचालकों के लिए अब कर्मचारियों का चयन करना आसान नहीं होगा। आदेश के अनुसार प्रत्येक कर्मचारी के लिए पुलिस क्लीयरेंस सर्टिफिकेट अनिवार्य है । किसी भी ऐसे व्यक्ति को रोजगार नहीं दिया जाएगा, जिस पर अनैतिक व्यापार (रोकथाम) अधिनियम या पॉक्सो (पॉक्सो) एक्ट के तहत कोई मामला दर्ज हो। सभी कर्मचारियों की आयु कम से कम 18 वर्ष होनी चाहिए और उनके पास मान्यता प्राप्त संस्थान से व्यावसायिक डिप्लोमा होना आवश्यक है ।

ग्राहक हैल्पलाइन और आईडी जरूरी

स्पा आने वाले प्रत्येक ग्राहक को अपना पहचान पत्र देना होगा और संचालक को उनका मोबाइल नंबर व आईडी रिकॉर्ड में दर्ज करना होगा । रिसेप्शन पर हिंदी और अंग्रेजी में डिस्प्ले बोर्ड लगाना होगा, जिस पर हेल्पलाइन नंबर 112 और 181 स्पष्ट रूप से अंकित होने चाहिए ।

पुलिस ने साफ किया है कि इन आदेशों का उल्लंघन करने वाले संचालकों और प्रबंधकों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 223 के तहत सख्त कानूनी कार्यवाही की जाएगी । जयपुर के सभी थाना अधिकारियों को इन नियमों की पालना सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए गए हैं।

जेडीए में एक ही जगह मिलेगी सभी प्रमाणित प्रतियां

जयपुर । जयपुर विकास प्राधिकरण में अब सभी प्रमाणित प्रतियां एक ही जगह पर आमजन को मुहैया होंगी। इसके लिए सिंगल विंडो व्यवस्था शुक्रवार से शुरू की गई है। इस पहल से नागरिकों को बेवजह चक्कर नहीं लगाने पडेंगे।

सिंगल विंडो प्रणाली लागू होने से आवेदकों के विभिन्न सीटों पर लगने वाले अनावश्यक चक्कर कम होंगे, जिससे उनके समय की बचत होगी और कार्यप्रणाली में पारदर्शिता आएगी। प्राधिकरण के सभी ज़ोन और अनुभागों को सख्त निर्देश दिए गए हैं कि वे तैयार प्रमाणित प्रतियों को समयबद्ध रूप से नागरिक सेवा केंद्र स्थित पट्टा वितरण काउंटर पर प्रेषित करना सुनिश्चित करें, ताकि आवेदकों को रियल टाइम में सेवा मिल सके। जेडीसी द्वारा सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को इस व्यवस्था को तुरंत लागू करने के निर्देश दिए हैं, ताकि नागरिकों को इसका वास्तविक लाभ मिल सके और उनके सेवा अनुभव में गुणात्मक सुधार होगा।

भ्रष्टाचार के अड्डे में तब्दील हुआ टी.बी. हॉस्पिटल : खंडेलवाल

'जांच समिति गठित, नोटिस जारी; फिर भी स्वास्थ्य विभाग की चुप्पी क्यों?'

जयपुर । राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सचिव गिरिराज खंडेलवाल ने टीबी हॉस्पिटल शास्त्री नगर, जयपुर में तैनात असिस्टेंट अकाउंट अफ़सर विनोद गुप्ता के खिलाफ लगाए गए गंभीर भ्रष्टाचार के आरोपों पर अब प्रशासनिक स्तर पर संज्ञान लिए जाने को बड़ा घटनाक्रम बताया है। गिरिराज खंडेलवाल ने कहा कि उनके द्वारा की गई शिकायत के बाद सवाई मानसिंह मेडिकल कॉलेज एवं संबद्ध अस्पताल प्रशासन ने विधिवत जांच समिति गठित कर नोटिस जारी किया है, जिसमें उन्हें साक्ष्य सहित उपस्थित होने के लिए बुलाया गया है। यह स्वयं इस बात का प्रमाण है कि लगाए गए आरोप मनगढ़ंत नहीं बल्कि गंभीर और तथ्यात्मक है। खंडेलवाल ने स्पष्ट किया कि विनोद गुप्ता द्वारा खुलेआम रिश्वत की मांग,महीनों तक बिल रोककर रखना, बिल क्लियर होने के बाद भी जानबूझकर भुगतान अटकाना और बिल पास कराने के नाम पर लगातार पैसों की डिमांड एक संगठित भ्रष्टाचार की ओर इशारा करता है।

गिरिराज खंडेलवाल ने कहा कि यह केवल आरोप नहीं हैं, बल्कि अब प्रशासन द्वारा गठित जांच समिति और जारी किया गया आधिकारिक पत्र इस पूरे घोटाले की गंभीरता को उजागर करता है। खंडेलवाल ने टैंडर घोटाले को लेकर कहा कि कई टैंडर फर्जी व नियम-विरुद्ध तरीके से आवंटित किए गए। एक टैंडर ऑनलाइन डोमेन में होने के बावजूद दस्तावेज़ों में गंभीर खामियां होने के बाद भी पास कर दिया गया, जो साफ़ तौर पर मिलीभगत और भ्रष्टाचार का प्रमाण है।

मधुमक्खी पालन से किसानों की आय बढ़ने की संभावनाएं : मंजू राजपाल

जयपुर (कासं)। प्रदेश में मधुमक्खी पालन को एक लाभकारी, टिकाऊ एवं रोजगारोन्मुख कृषि व्यवसाय के रूप में विकसित करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल करते हुए कृषि प्रबंध संस्थान दुर्गापुरा, जयपुर में शुक्रवार से दो दिवसीय राज्य स्तरीय सेमिनार का शुभारंभ किया गया। सेमिनार की अध्यक्षता प्रमुख शासन सचिव कृषि एवं उद्यानिकी मंजू राजपाल ने की।

अपने उद्घाटन संबोधन में राजपाल ने कहा कि मधुमक्खी पालन किसानों की आय वृद्धि का एक प्रभावी माध्यम बन सकता है। शहद, मधुमोम, रॉयल जेली, परागकण एवं प्रोपोलिस जैसे उच्च मूल्य वाले मधुमक्खी उत्पाद न केवल पोषण की दृष्टि से महत्वपूर्ण हैं, बल्कि घरेलू एवं अंतरराष्ट्रीय बाजार में इनकी व्यापक मांग है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार मधुमक्खी पालन को प्रोत्साहित करने के लिए विभिन्न योजनाएं संचालित कर रही है, जिनका लाभ किसानों एवं युवाओं को अवश्य लेना चाहिए। प्रमुख शासन सचिव ने कहा कि मधुमक्खी पालन पर्यावरण संरक्षण एवं फसल उत्पादकता बढ़ाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उन्होंने महिलाओं के स्वयं सहायता समूहों तथा किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ) को इस क्षेत्र से जोड़ने पर विशेष बल दिया।

प्रमुख शासन सचिव कृषि एवं उद्यानिकी मंजू राजपाल ने शुक्रवार को दुर्गापुरा में आयोजित दो दिवसीय राज्य स्तरीय मधुमक्खी पालन सेमिनार को संबोधित किया।

उन्होंने बताया कि राज्य सरकार द्वारा भरतपुर एवं टोंक जिलों में मधुमक्खी पालन के उत्कृष्टता केंद्र स्थापित किए जा रहे हैं, जिससे मधुमक्खी पालकों को वैज्ञानिक तकनीक, तकनीकी प्रशिक्षण तथा विभिन्न समस्याओं के समाधान में सहायता मिलेगी। उन्होंने लोगों को मधुमक्खी उत्पादों के लाभों के प्रति अधिक से अधिक जागरूक करने की आवश्यकता पर भी जोर दिया।

राजपाल ने कहा कि राजस्थान, सरसों उत्पादन में देश में प्रथम स्थान पर है, जबकि शहद उत्पादन में पांचवें स्थान पर है। यदि मधुमक्खी पालक और किसान आपसी समन्वय से कार्य करें, तो प्रदेश शहद उत्पादन में भी अग्रणी राज्यों की श्रेणी में शामिल हो सकता है। उन्होंने सभी मधुमक्खी पालकों से 'मधु क्रांति पोर्टल' पर पंजीकरण कराने का आव्हान किया। सेमिनार के दौरान विशेषज्ञों ने मधुमक्खी पालन की आधुनिक तकनीकों, शहद एवं अन्य उत्पादों के मूल्य संवर्धन, गुणवत्ता नियंत्रण, विपणन रणनीतियों तथा निर्यात संभावनाओं पर विस्तार से जानकारी दी। तकनीकी सत्रों में मधुमक्खी रोग प्रबंधन, जलवायु परिवर्तन का प्रभाव, आधुनिक बॉक्स प्रणाली, शहद प्रसंस्करण एवं ब्रांडिंग जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की गई। इस राज्य स्तरीय सेमिनार में कृषि वैज्ञानिकों, मधुमक्खी पालकों, प्रगतिशील किसानों, उद्यमियों एवं विभागीय अधिकारियों ने भाग लिया।